प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय स्तर पर प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास (6वां नेटपोलरेक्स)

1. भारत की ऊर्जा की आवश्यकता (लगभग 70%) तेल स्त्रोत द्वारा पूरी की जाती है ; जिसे हमारे देश में पोतों द्वारा आयात किया जाता है । समुद्री रास्ते द्वारा तेल परिवहन अत्यंत ही जोखिमपूर्ण कार्य है तथा पोत स्वामी एवं बंदरगाह द्वारा तेल प्राप्त करते समय नुकसान से बचने के उपायों पर ध्यान देने की जरूरत है ।

2. भारतीय तटरक्षक को तेल बिखराव पर प्रतिक्रिया करने के लिए केंद्रीय समन्वय प्राधिकारी नियुक्त किया गया है तथा इसके द्वारा तेल परिचालन एजेंसियों के तैयारी के स्तर की नियमित जांच के लिए सुदृढ़ प्रदूषण प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित की गई है । कच्छ की खाड़ी में पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील मैन्ग्रोव एवं मूँगा सुलभ रूप से पाये जाते हैं, जिन पर तेल बिखराव की स्थिति में खतरनाक प्रभाव पड़ता है । तेल बिखराव से संबंधित विषयों पर चर्चा करने के लिए भारतीय तटरक्षक द्वारा 20-21 दिसंबर 16 को मुंद्रा से सुदूर कच्छ की खाड़ी में 6वीं राष्ट्रीय स्तर की प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास का आयोजन किया गया । विभिन्न मंत्रालयों एवं केंद्र तथा राज्य सरकार के विभागों, बंदरगाहों, तेल परिचालन एजेंसियों तथा अन्य पणधारियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास में भाग लिया । इसके अतिरिक्त, तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय के प्रतिनिधि तथा तीन देशों से आये हुए प्रेक्षक भी 6वीं नेटपोलरेक्स अभ्यास के साक्षी रहे । विभिन्न एजेंसियों/पणधारियों के 125 कार्मिकों ने अभ्यास में भाग लिया ।

3. नौ तटरक्षक पोत, दो तटरक्षक हेलीकॉप्टर, दो डोर्नियार वायुयान, एक भारतीय नौसेना पोत, एक वायुसेना विमान (सी-130 जे सुपर हरकुलिस), केपीटी/मुंद्रा बंदरगाह के तीन टग, भारतीय जहाजरानी परिवहन निगम का एक टैंकर, अन्य साधन एजेंसियों के 02 एमएसवी/ओएसवी तथा राज्य सरकार के तटीय सफाई दल ने भी अभ्यास में भाग लिया।

4. भारतीय तटरक्षक प्रदूषण नियंत्रण पोत की भागीदारी तथा वायुसेना द्वारा तेल बिखराव आपदा प्रबंधन प्रणाली में भागीदारी करते हुए हवाई सर्वेक्षण/बिखरे हुए तेल को प्रभाव शून्य करने के लिए ऑयल डिसपरसेंट का छिड़काव अभ्यास की प्रमुख विशेषता थी । 20 दिसंबर 16 को अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न करते हुए टेबल टॉप एक्सरसाइज द्वारा 6वीं नेटपोलरेक्स का समापन किया गया ।

5. जहाजरानी परिवहन मंत्रालय द्वारा स्थानांनतरित करने के पश्चात् भारतीय तटरक्षक ने 01 मार्च 1986 को समुद्री क्षेत्र में समुद्री पर्यावरण के संरक्षण का दायित्व ग्रहण किया। तत्पश्चात् समुद्र में तेल बिखराव को रोकने के लिए 1993 में भारतीय तटरक्षक द्वारा सचिवों की समिति द्वारा स्वीकृत राष्ट्रीय तेल बिखराव अकस्मात् योजना तैयार की गई। भारतीय तटरक्षक ने मुंबई, चेन्नई तथा पोर्ट ब्लेयर में तीन प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र की भी स्थापना की। इसके पास विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से 10,000 टन तक के बिखराव को नियंत्रण में करने की क्षमता है।

6. 21 दिसंबर 16 को अभ्यास के दौरान तटरक्षक पोत द्वारा श्री विजय भाई आर रूपानी, माननीय मुख्यमंत्री गुजरात ने महानिदेशक राजेंद्र सिंह, पीटीएम, टीएम, महानिदेशक भारतीय तटरक्षक के साथ सभी एजेंसियों की तैयारी की समीक्षा की।